	Hkkfrd 'kkL= ,o Ñf"k ekSle foKku foHkkx tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj d`f"k ekSle lykg lsok,sa **(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)**	

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. ओम गुप्ता, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. हरदाह, सस्य विज्ञान डॉ. के. के. अग्रवाल, फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. पी. बी. शर्मा , डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – श्री प्रमोद शर्मा

o"kZ&2018	vad&46	fnukad 11 ls 15 tqykbZ 2018	fnukad% 10-07-2018

¼ftyk tcyiqj dh fy, tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,oa ekSle dsUnz Hkksiky }kjk la;qDr :i ls tkjh½

vkxkeh ikp fnuks dk ekSle iwokZuqeku%&

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र को भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान मे घने बादल रहेंगे एवं लगभग 280 मिमी. वर्षा होने की संभावना है । हवा 9.0 से 15.0 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दक्षिण–पश्चिम दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32.0 से 35.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.0 से 24.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

EkkSleh rRo @fnukad	11/07/2018	12/07/2018	13/07/2018	14/07/2018	15/07/2018
Ok"kkZ ¼fe-eh-½	75	80	90	15	20
vf/kdre rkieku ¼fM-ls-½	35	35	33	32	32
U;wure rkieku ¼fM-ls-½	24	24	22	22	22
Ckknyksa dh fLFkfr	घने	घने	घने	घने	घने
vkisf{kr vknzrk ¼lqcg½	92	94	98	91	93
vkisf{kr vknzrk ¼'kke½	55	57	62	58	60
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	13	15	12	9	10
gok dh fn'kk	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd d`f"k ijke'kZ fnukad 11 ls 15 tqykbZ 2018

lkekU; lykg	• आने ने वाले समय में सतना, पन्ना, रीवा, सीधी, कटनी एवं सिंगरौली जिलों में जुलाई 11– 15, 2018 तक वर्षा होने की संभावना है । किन्तु 11 से 13 जुलाई 2018 तक जबलपुर, बालाघाट, सिवनी , मंडला में पर्याप्त वर्षा होने की संभावना है। • अतः किसान भाई खरीफ फसलों की बुआई शीघ्र प्रारम्भ करें। • खरीफ फसलों के बीज की सफाई एवं बीजोपचार अवश्य करें।
lks;kchu	• सोयाबीन की बुवाई के साथ उचित जल निकास की व्यवस्था करें। • बुआई पूर्व पीला मोजाईक बीमारी की रोकथाम हेतु अनुशंसित कीटनाशक थायोमिथाक्सम 30 एफ.एस (10. ग्राम /कि ग्राम बीज) या इमिडाक्लोप्रिड 48 एफ. एस. (1.25 मिली. / कि. ग्राम बीज) से बीज उपचार सुनिश्चित करें। साथ ही कार्वन्डाजिम 2 ग्रा/कि बीज की दर से उपचार करें। इसके बाद राइजोवियम कल्वर का प्रयोग करें। vuq'kaf'kr fdLesa vYikof/k % जे.एस. 93–05, जे.एस 95–60, जे.एस 20–29, जे. एस. 20–34 e/;e vof/k % जे.एस. 97–52, एन. आर. सी. – 37, एन. आर. सी. – 7, एन. आर. सी. – 12.
/kku%	• धान की रोपाई प्रारम्भ करें। • धान की सीधी वुआई प्रारम्भ करें। बीज बुवाई पूर्व बीजों को फफूंदनाशी दवा कार्बेन्डाजिम 2 ग्रा/कि बीज से उपचारित करें। vuq'kaf'kr fdLesa vfr vYikof/k % जवाहर धान (जे. आर.) 75, वंदना vYikof/k % जे. आर . 201, जे. आर. एच. – 8, दन्तेश्वरी, सहभागी. e/;e vof/k % एम. आर 219, डब्ल्यू. जी. एल. 32100, अई. आर. 36, अई. आर. 64, क्रांति, महामाया, पूसा सुगंधा –3, , पूसा सुगंधा –5,, एम. टी . यू. 1010. nh?kkZof/k% महसूरी, स्वर्णा.
vjgj	• वूआई पूर्व बीजोपचार एवं राइजोवियम कल्वर का उपयोग अवश्य करें। vuq'kaf'kr fdLesa tYnh idus okyh fdLesa % आई. सी. पी. एल. 87, पूसा 33, आई. सी. पी. एल. 88039, टी. टी. 501A e/;e vof/k % आशा, आई. सी. पी. एच. 2671, जे. ए. 4, जे. के. एम. 7, जे. के. एम. 189, टी. जे. टी. 401
xUuk	• गन्ने की फसल में सिंचाई करें, खरपतबार निकालें एवं नत्रजन उर्वरक दें इनकों एक दूसरे से बांध दे ताकि तेज हवा से कम हानि हो ।
Qynkj o`{k	• बगीचों की सफाई करें एवं खरपतबार निकाल कर नष्ट करें । • नीबू एवं अमरूद के लिए थाले बनाए एंव देशी खाद एवें उर्वरक प्रयोग करें।
lfCt;k	• भिंडी एवं कददू वर्गीय सब्जियों की बुवाई करें। • बैगन , मिर्ची , टमाटर की रोपाई करें । उचित जल निकास की व्यवस्था भी करें।
Ik'kq ,oa eqxhZ ikyu	• गलगोटू, एकटग्या, एवं एंथ्रैक्स रोगो से निदान हेतु वर्षा होने से पूर्व छह महीने से अधिक गाय एवं भैसों में टीकाकरण कराऍ • हरे चारे वाली फसलों की बुआई करे। इस हेतु मक्का (किस्म : आफ्रिकन टाल) एवं ज्वार (किस्म : एमपी चारी) एवं अन्य उन्नत किस्मों का प्रयोग करें ।

नोडल आफीसर

दिनांकः 10 जुलाई 2018